September, 1998 gives a growth rate of -3.28% in US Dollar terms and 12.26% in rupee terms over the corresponding period for last year.

(c) The exports were affected due to a general slow down in world trade especially recession in many countires in South East Asia, Japan and Germany, domestic supply constraints in some sectors such as agriculture commodities and barriers faced in the markets of European Union.

कच्छ क्षेत्रमें आए चक्रवात के कारण निर्यात और आयात पर प्रभाव

*14. **श्री चिमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जुन, 1998 में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में आए चक्रवात के कारण कांडला मुक्त पत्तन और पत्तन न्यास के क्षतिग्रस्त होने के कारण देश के आयात/निर्यात पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है;

(ग) इसके कारण देश को कुल कितने राजस्व और विदेशी मुद्रा की हानि हुई है; और

(घ) इस क्षति को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या उपाए किए हैं?

वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े): (क) से (ग) काण्डला बन्दरगाह न्यास और काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र (केएएफटीजेड) द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार जून, 1998 में आए तूफान से हुए विनाश के कारण विदेश व्यापार प्रभावित हुआ जिससे हुई हानि की राशि नीचे दी गई है:-

(I) विदेश व्यापार	काण्डला बन्दरगाह	निर्यात	आयात (लाखों में)
	जून, 1997	26,641.49	12,761.58
	जून, 1998	8,357.63	9,999.69
	जुलाई, 1997	32,752.09	24,144.76
	जुलाई, 1998	23,617,06	56,169.37
केएएफटीजेड	जून, 1997	1,342.07	1,205.41
	जून, 1998	489.74	1,107.67
	जुलाई, 1997	1,719.79	1,183.89
	जुलाई, 1998	1,499.31	948.79

(ii) काण्डला बन्दरगाह न्यात को अपने उपकरण, संयंत्र और मशीनों आदि की क्षति से 133.25 करोड़ रुपए की कुल हानि हुई।

(iii) तूफान के बाद केएएफटीजेड में बिजली और पानी की आपूर्ति में गड़बड़ी आने के कारण निर्यात उत्पादन वस्तुत: बंद हो गया था। विनाश के कारण बुनियादी सुविधाओं में लगभग 2 करोड़ रुपये की क्षति होने का अनुमान लगाया गया है। कच्चे माल और तैयार सामान आदि की क्षति लगभग 4.5 करोड़ रुपये की है।

(घ) भारतीय नौसेना, सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) तटरक्षक, स्थानीय पुलिस बल तथा पोर्ट ट्रस्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहायता से बंदरगाह के संचालन को पुन: शुरू करने के सभी उपाय युद्धस्तर पर किए गए। केएएफटीजेड ने भी कार्य को पुन: शुरू करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। बंदरगाह के कार्य एक माह के भीतर पुन: शुरू कर दिए गए थे।

वाणिज्य मंत्रालय ने तूफान के कारण खत्म हुई बुनियादी सुविधाओं को पुन: बहाल करने के लिए एक विशेष पुनर्निर्माण कार्यक्रम के रूप में केएएफटीजेड को 1.51 करोड़ रुपये स्वीकृत किए।

किए गए अन्य उपायों में शामिल हैं-क्षति का त्वरित अनुमान लगा कर बीमा कंपनियों से दावों का निपटान कराना तथा वित्तीय संस्थाओं को इस आशय की सलाह देना कि वे निर्यातकों/आयातकों के नकद ऋण सीमाओं, पैकिंग सीमाओं, निर्यात ऋण तथा चलती पूंजी के आवेदनों पर स्वीकारात्मक ढंग से विचार करें।

कांडला बन्दरगाह न्यास पर सुविधाओं को पुन: बहाल करने के अतिरिक्त, काण्डला बन्दरगाह से भिजवाए गए सामान को अन्य बन्दरगाहों पर रखवाने के लिए भी प्रबंध किए गए।

Jewellery Fair at Jeddah

*15. SHRI RAJNATH SINGH SURYA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Saudi Arabia has refused to allow Indian Jewellers to display their wares at trade fair being held in February, 1999 at Jeddah;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken to ensure participation of Indian jewellers in this fair?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) to (c) Yes, Sir. The matter was taken up with the Saudi Authorities by the Indian Ambassador. The Ambassador reports that the Govt. of Saudi Arabia has conveyed that as a matter of policy such displays are not allowed in Saudi Arabia.

Import of Rice from Pakistan

*16. SHRI JANARDAN YADAV: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Indian traders are importing rice from Pakistan;

(b) if so, the details of the quantity being imported and the rates thereof;

(c) whether Government are aware of the strong resentment of Indian farmers over the said import which is adversely affecting them; and

(d) if so, the remedial steps proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) द्वारा उत्पादन

*17. श्री डी.पी. यादव: क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) द्वारा वर्ष 1997-98 में कुल कितना उत्पादन किया गया;

(ख) क्या यह उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है और यदि हां, तो उसकी मात्रा कितनी है; और

(ग) मंत्रालय द्वारा भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के माध्यम से वर्ष 1997-98 में कुल कितना लाभ अर्जित किया गया?

इस्पात तथा खान मंत्री (श्री नवीन पटनायक): (क) और (ख) स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) ने 1997-98 के दौरान 90.43 लाख टन विक्रेय इस्पात का उत्पादन किया जबकि 1996-97 के दौरान 92.35 लाख टन विक्रेय इस्पात का उत्पादन हुआ था।

(ग) वर्ष 1997-98 के लिए सेल ने 148.59 करोड़ रुपए का लाभ (कर-पूर्व) अर्जित किया और अक्तूबर, 1998 में सरकार को लाभांश के रूप में 35.45 करोड़ रुपए का भुगतान किया।

Patent of coir-geo-textiles

*18. SHRI J. CHITHARANJAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a US based Sri Lankan company has obtained patent for coir-geo-textiles, a product of coir which has been put to various use in Kerala for a long time, threatening to effect the export of coir-geo-textiles from our country to already established markets in European countries;

(b) whether the Kerala State Government has requested him to take up the matter at the appropriate forum to protect the interest of coir industry in the country; and

(c) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) to (c) A patent has been granted in Sri Lanka in the name of Lanka Santha entitled "An Erosion Control Blanket/ Turf Reinforcement Mat". The patent has been granted under the patent law of Sri Lanka.

Patents are granted by respective governments under their patent laws and rights thereunder are restricted to the territorial boundary of the country. Whenever information is received about patents being taken on certain products which are not considered patentable, steps are taken to assess whether grant of patent can be challenged.

Land for Development of Gangavaram Port

*19. SHRI YADLAPATI VENKAT RAO: SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether excess of land occupied by Visakhapatnam Steel Plant is required by the State Government of Andhra Pradesh for development of Gangavaram Port; and

(b) if so, when would it be handed over?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI NAVEEN PATNAIK): (a) and (b) There is no excess land occupied by Visakhapatnam Steel Plant. The land lying apparently